किसी जिज्ञासा को शांत करना, एवं ज्ञान प्राप्ति करके।
सामाजिक समस्याओं का निराकरण करना, तथा घटना का यथार्थ चित्रण ही शोध है।

—डॉ० अशोक कुमार यादव

लेखक परिचय

डॉ० अशोक कुमार यादव

डॉ० अशोक कुमार यादव का जन्म, ग्राम-मिलकपुर, तहसील-बहरोड़, जिला- अलवर (राज०) में हुआ है। आपने राजस्थान विश्वविद्यालय से "एम०एससी० (रसायन विज्ञान), एम०एड०, एम०ए० (समाजशास्त्र), एल०एल० बी०" की उपाधि प्राप्त की है, सन् 2011 में "बाल अपराध में परिवार, पुलिस एवं कानून की भूमिका : जयपुर शहर का एक समाजशास्त्रीय अध्ययन" विषय पर राजस्थान विश्वविद्यालय से समाजशास्त्र विषय में, "पीएच०डी०" की उपाधि प्राप्त की, तथा यू०जी०सी० से "नेट परीक्षा", और आर० पी० एस० सी० की "सेट (स्लेट) परीक्षा", समाजशास्त्र विषय में पास की। आप कॉलेज स्तर पर बी०ए० और एम०ए० कक्षाओं में, समाजशास्त्र विषय के अध्यापन में कार्यरत रहे हैं, तथा बी०एड० एवं एम०एड० कक्षाओं में भी अध्यापन कार्य किया है। आप एन०सी०सी० के कैडेट कॉर्पोरल, तथा आर०एस०एस० के सक्रिय कार्यकर्ता भी रहे हैं। आप विभिन्न सामाजिक एवं शैक्षणिक संस्थाओं में भी प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से अपनी सेवाएँ प्रदान करते रहे हैं।

आपके नारी-शक्ति, बाल-अपराध, भूमण्डलीकरण, समाज, इक्कीसवीं सदी में अध्यापक की भूमिका, अच्छा समाज, नारी की स्थिति, भारत में समस्याएँ, मानवाधिकार, पुलिस की भूमिका, निर्धनीकरण की समस्याएँ, महिला आरक्षण, ग्रामीण महिला, महिला अपराध, बाल-अपराध और परिवार, बाल-अपराध में पुलिस एवं कानून की भूमिका, गाँधीवादी विचारधारा, गाँधीदर्शन की विवेचना, महिलाओं पर होने वाले अपराध, हरिजन पर गाँधी विचार, परिवार की भूमिका और समाज, परिवार विकास, कानून व्यवस्था और महिला शक्ति, स्वामी विवेकानन्द की प्रेरक जीवनी, हिन्दू विवाह एवं मानसिक विकार, जैन धर्म एवं विवाह, हिन्दू विवाह और दहेज, विवाह एक संस्थान एवं समाज में शिक्षा आदि विषयों पर नेशनल और इन्टरनेशनल लेख प्रकाशित हुए हैं। आपने "वर्तमान समय में बढ़ती बाल अपराधी प्रवृत्ति : पुलिस एवं कानून की भूमिका", "बाल अपराध एक विकट समस्या : परिवार की अहम् भूमिका", "समाजशास्त्रीय विचार", "समाज में महिलाओं की भूमिका", "महात्मा गाँधी के विचार", "स्वामी विवेकानन्द : एक अनमोल रत्न", "पीड़ित महिला एवं समाज", "बाल अपराध : एक सामाजिक समस्या", "परिवार एवं समाज", "समाज में विवाह", "आजादी के दिवाने", "सामाजिक समस्याएँ", "स्वामी विवेकानन्द : शिक्षा का आदर्श" तथा "महात्मा गाँधी : शिक्षा एवं दर्शन" आदि विषयों पर पुस्तकों का लेखन कार्य भी किया है। आपने विभिन्न लेखकों की लगभग 25 पुस्तकों में लेख भी प्रस्तुत किये हैं, तथा लगभग 40 इन्टरनेशनल एवं नेशनल सेमिनार/कॉन्फ्रेंस में पेपर भी प्रस्तुत किये हैं। आप "एन इन्टरनेशनल जरनल ऑफ रिसर्च एण्ड डवलपमेंट इन न्यू एरा" के "मुख्य सम्पादक" पद पर कार्यरत हैं। वर्तमान में आप "कॉलेज में प्राचार्य पद" पर कार्यरत हैं, तथा विभिन्न विश्वविद्यालयों में शोध निर्देशक के रूप में कार्यरत हैं। आपके राजस्थान पत्रिका, और दैनिक भास्कर में लेख आते रहते हैं। आपकी मादूक शैली व अध्यापन शैली अत्यन्त सुग्राही है।

ASSOCIATED PUBLISHING HOUSE
BLOCK-77, SANJAY PLACE, AGRA-282 002
Ph.: 0562-4008061, +91-9897877556,
e-mail : vikram_jain2000@yahoo.com

शोध पद्धतियाँ डॉ० अशोक कुमार यादव ASSOCIATED

शोध पद्धतियाँ

RESEARCH METHODOLOGY

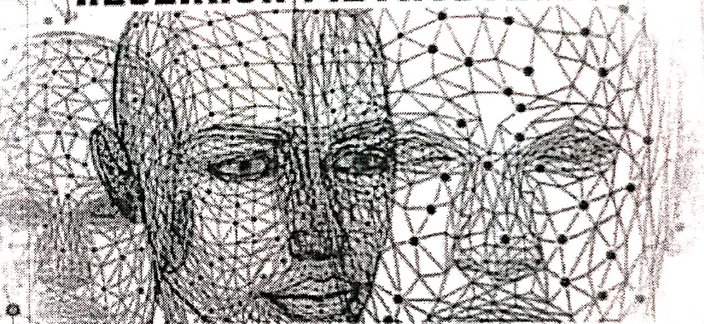

उत्तर खोजने की क्रमबद्ध एवं व्यवस्थित प्रणाली ही, शोध पद्धतियाँ है।

—डॉ० अशोक कुमार यादव

डॉ० अशोक कुमार यादव

पुस्तक-परिचय

मनुष्य एक जिज्ञासु प्राणी है, उसकी आंतरिक जिज्ञासा, सदा से ही, अनुसन्धान का कारण बनती रही है। अनुसन्धान, खोज, गवेषणा, अन्वेषण एवं शोध पर्यायवाची है। शोध में उपलब्ध विषय के तथ्यों से, विद्यमान सत्य को नवस्थापित कर, पुनर्परीक्षण किया जाता है। शोध में शोधार्थी के सामने तथ्य मौजूद होते है, उसे उनमें से अपनी सूझ व ज्ञान द्वारा, नवीन सिद्धियों को उद्घाटित करना होता है। जब सामाजिक क्षेत्र में प्रश्नों के उत्तर खोजने का क्रमबद्ध एवं व्यवस्थित प्रयास किया जाता है, तो उसे ही "सामाजिक अनुसंधान" कहते हैं। व्यापक अर्थ में अनुसन्धान (Research) किसी भी क्षेत्र में "ज्ञान की खोज करना" या "विधिवत गवेषणा" करना होता है।

वैज्ञानिक अनुसन्धान में, वैज्ञानिक विधि का सहारा लेते हुए, जिज्ञासा का समाधान करने की, कोशिश की जाती है। नवीन वस्तुओं की खोज, और पुराने वस्तुओं एवं सिद्धान्तों का पुनः परीक्षण करना, जिससे कि नए तथ्य प्राप्त हो सकें, उसे शोध कहते है। शोध उस प्रक्रिया अथवा कार्य का नाम है, जिसमें बोधपूर्वक प्रयत्न से, तथ्यों का संकलन कर, "सूक्ष्मग्राही एवं विवेचक बुद्धि" से, उसका अवलोकन-विश्लेषण करके, नए तथ्यों या सिद्धांतों का उद्घाटन किया जाता है।

Chapter-11	Introduction of Research Methodology Mrs. Nikita Verma	80-90
Chapter-12	Area of Research Dr. Anjana Verma	91-97
Chapter-13	Academic Research Neelu Lamba	98-105
Chapter-14	Leadership of Research Vaibhav Gupta	106-116
Chapter-15	Qualitative and Quantitative Research Dr. Mukesh Kumar	117-124
Chapter-16	Research and Development Mrs.Manju Meena	125-130
Chapter-17	Questionnaire and Research Methodology Vandana Saini	131-141
Chapter-18	Research Methodology and Research Methods Vijay Singh Yadav	142-151
Chapter-19	Techniques and Tools for Research Pushpender	152-161
Chapter-20	Research Methodology Dr. Ashok Kumar Yadav	162-176
Chapter-21	Tools of Research Hemant Kumar	177-188
संदर्भ ग्रन्थ सूची (Bibliography)		189-216

प्रथम संस्करण 2022

ISBN 978-93-81778-14-2

© लेखक

इस पुस्तक के किसी भी अंश का प्रतिलिपीकरण, ऐसे यन्त्र में भण्डारण जिससे इसे पुनः प्राप्त किया जा सकता हो या स्थानान्तरण, किसी भी विधि से, यांत्रिक फोटो प्रतिलिपि, इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्डिंग अथवा किसी अन्य रीति से, बिना लेखक/प्रकाशन की पूर्व अनुमति के नहीं किया जा सकता है।

प्रकाशक :
Associated Publishing House
ब्लॉक–77, संजय प्लेस,
आगरा।

Scanned with OKEN Scanner

प्रथम संस्करण 2021

ISBN 978-93-81778-92-0

© लेखक

इस पुस्तक के किसी भी अंश का प्रतिलिपीकरण, ऐसे यन्त्र में भण्डारण जिससे इसे पुनः प्राप्त किया जा सकता हो या स्थानान्तरण, किसी भी विधि से, यांत्रिक फोटो प्रतिलिपि, इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्डिंग अथवा किसी अन्य रीति से, बिना लेखक/प्रकाशन की पूर्व अनुमति के नहीं किया जा सकता है।

प्रकाशक :
Associated Publishing House
ब्लॉक–77, संजय प्लेस,
आगरा।

Scanned with OKEN Scanner

लेखक परिचय

डॉ० अशोक कुमार यादव

डॉ० अशोक कुमार यादव का जन्म, ग्राम-मिलकपुर, तहसील-बहरोड, जिला- अलवर (राज०) में हुआ है। आपने राजस्थान विश्वविद्यालय से ''एम०एससी० (रसायन विज्ञान), एम०एड०, एम०ए० (समाजशास्त्र), एलएल० बी०'' की उपाधि प्राप्त की है, सन् 2011 में ''बाल अपराध में परिवार, पुलिस एवं कानून की भूमिका : जयपुर शहर का एक समाजशास्त्रीय अध्ययन'' विषय पर राजस्थान विश्वविद्यालय से समाजशास्त्र विषय में, ''पीएच०डी०'' की उपाधि प्राप्त की, तथा यू०जी०सी० से ''नेट परीक्षा'', और आर० पी० एस० सी० की ''सैट (स्लेट) परीक्षा'', समाजशास्त्र विषय में पास की। आप कॉलेज स्तर पर बी०ए० और एम०ए० कक्षाओं में, समाजशास्त्र विषय के अध्यापन में कार्यरत रहे हैं, तथा बी०एड० एवं एम०एड० कक्षाओं में भी अध्यापन कार्य किया है। आप एन०सी०सी० के बैस्ट कैडिट, तथा आर०एस०एस० के सक्रिय कार्यकर्त्ता भी रहे हैं। आप विभिन्न सामाजिक एवं शैक्षणिक संस्थाओं में भी प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से अपनी सेवाएँ प्रदान करते रहे हैं।

आपके नारी-शक्ति, बाल-अपराध, भूमण्डलीकरण, समाज, इक्कीसवीं सदी में अध्यापक की भूमिका, अच्छा समाज, नारी की स्थिति, भारत में समस्याएँ, मानवाधिकार, पुलिस की भूमिका, निजीकरण की समस्याएँ, महिला आरक्षण, ग्रामीण महिला, महिला अपराध, बाल-अपराध और परिवार, बाल-अपराध में पुलिस एवं कानून की भूमिका, गाँधीवादी विचारधारा, गाँधीदर्शन की विवेचना, महिलाओं पर होने वाले अपराध, हरिजन पर गाँधी विचार, परिवार की भूमिका और समाज, परिवार विकास, कानून व्यवस्था और महिला शक्ति, स्वामी विवेकानन्द की प्रेरक जीवनी, हिन्दु विवाह एवं मानसिक विकार, जैन धर्म एवं विवाह, हिन्दु विवाह और दहेज, विवाह एक संस्थान एवं समाज में शिक्षा आदि विषयों पर नेशनल और इन्टरनेशनल लेख प्रकाशित हुए हैं। आपने ''वर्तमान समय में बढ़ती बाल अपराधी प्रवृत्ति : पुलिस एवं कानून की भूमिका'', ''बाल अपराध एक विकट समस्या : परिवार की अहम् भूमिका'', ''समाजशास्त्रीय विचार'', ''समाज में महिलाओं की भूमिका'', ''महात्मा गाँधी के विचार'', ''स्वामी विवेकानन्द : एक अनमोल रत्न'', ''पीड़ित महिला एवं समाज'', ''बाल अपराध : एक सामाजिक समस्या'', ''परिवार एवं समाज'', ''समाज में विवाह'', ''आजादी के दिवाने'', ''सामाजिक समस्याएँ'', ''स्वामी विवेकानन्द : शिक्षा का आदर्श'' तथा ''महात्मा गाँधी : शिक्षा एवं दर्शन'' आदि विषयों पर पुस्तकों का लेखन कार्य भी किया है। आपने विभिन्न लेखकों की लगभग 25 पुस्तकों में लेख भी प्रस्तुत किये हैं, तथा लगभग 40 इन्टरनेशनल एवं नेशनल सेमिनार/कॉन्फ्रेंस में पेपर भी प्रस्तुत किये हैं। आप ''एन इन्टरनेशनल जरनल ऑफ रिसर्च एण्ड डवलपमेण्ट इन न्यू एरा'' के ''मुख्य सम्पादक'' पद पर कार्यरत हैं। वर्तमान में आप ''कॉलेज में प्राचार्य पद'' पर कार्यरत हैं, तथा विभिन्न विश्वविद्यालयों में शोध निर्देशक के रूप में कार्यरत हैं। आपके राजस्थान पत्रिका, और दैनिक भास्कर में लेख आते रहते हैं। आपकी पाठन शैली व अध्यापन शैली अत्यन्त सुग्राही है।

ISBN : 978-93-81778-92-0

9 789381 778920

₹ : 995.00

ASSOCIATED PUBLISHING HOUSE

BLOCK-77, SANJAY PLACE, AGRA-282 002

Ph.: 0562-4008061, +91-9897877556,

e-mail : vikram_jain2000@yahoo.com